राज्य/जिला	1971–81 के दौरान जनसंख्या वृद्धि की दर (प्रतिशत)
9. टोंक	25.22
10. जोधपुर	44.82
11. नागौर	29.04
12. पाली	31.39
13. जालौर	35.20
14. सिरोही	27.90
15 भीलवाड़ा	24.22
16. उदयपुर	30.69
17. चित्तौड़गढ़	30.41
18. डुगरपुर	28.78
19. बांसवाड़ा	35.44
20. बूंदी	30.72
21. कोटा	36.57
22. झालावाड़	25.85

Increase in Naxalite activities

1219. SHRI SURAJ PRASAD:
SHRI INDRADEEP SINHA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that of late there has been a spurt in the Naxalite activities in the country;

(b) if so, which States are affected; and

(c) what steps have been taken to control these activities and to what extent they have been effective?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INTERNAL SECURITY (SHRI ARUN NEHRU): (a) to (c) Available reports indicate an increase in the activities of Left Wing elements in some of the States like Andhra Pradesh, Bihar and West Bengal. Other States like Maharashtra, Madhya Pradesh, Tamil Nadu, and Punjab are also affected to a lesser degree. The State Governments are taking various steps including special deployment of Police forces apart from the usual policing to meet the situation. In addition, various programmes for development of tribals regions are also being executed by the State Governments.

राजभाषा के प्रयोग के लिए उठाए जा रहे कदम

1220. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहले राजभाषा के पिछड़ने का कारण देश में टंककों टाइपराइटरों और आशुलिपिकों की कमी होना था परन्तु अब इसका मुख्य कारण मशीनी सुविधाओं अर्थात् कम्प्यूटरों, टेलीप्रिन्टरों, टेलैक्स मशीनों, पता मुद्रक मशीनों आदि का पर्याप्त संख्या में उपलब्ध न होना है ;

(ख) क्या इन्हें उपलब्ध कराने का आपका कोई प्रस्ताव है ; और

(ग) राजभाषा को बढ़ावा देने के लिये सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

गृह मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण): (क) और (ख) प्रारम्भ में टाईपिस्टों, टाइपराइटरों, तथा स्टेनोग्राफरों की अनउपलब्धता अथवा इनकी कमी सरकारी दफ्तरों के काम काज में हिन्दी के प्रयोग की गति को बढाने में भले ही बाधक रही हो लेकिन अब कम्प्यूटर, टेलीप्रिन्टर, पतालेखी मशीने आदि इलैक्ट्रानिक उपकरण देवनागरी तथा अंग्रेजी में उपलब्ध हैं और राजभाषा विभाग में मंत्रालयो/विभागों से कहा है कि जहां कहीं भी हिन्दी और अंग्रेजी में काम करने की सुविधा मौजूद हो वहां वे केवल द्विभाषी इलैक्ट्रानिक उपकरणों का ही प्रयोग करे ।

(ग) राजभाषा विभाग केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों में राजभाषा